पाठ 10. झिलमिलाती ज्योति

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों व प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। कृष्णलाल धाराणी द्वारा रचित यह नाटक देशप्रेम की भावना पर आधारित है। एक बालक के अंदर सुलगती देशप्रेम की ज्वाला उसके पिता तक को झकझोरकर रख देती है। इस प्रकार यह नाटक देशभक्ति की भावना का पक्ष उकेरने में सफल होता है।

पाठ का सार

दीपक के सिर पर चोट लगी है तथा उसको एक सौ चार डिग्री बुखार है। दरअसल, वह झंडा फहराने के लिए छत पर चढ़ा था परंतु अपने पिता के डर से जल्दी के मारे गिर पड़ा। दीपक के दिलोदिमाग में सिर्फ़ झंडा और आज़ादी की तस्वीरें घूमती रहती हैं जबकि उसके पिता को इन सब चीज़ों से नफ़रत है। वह अपनी माँ से गांधी जी को पत्र लिखने के लिए कहता है। वह कहता है कि वह जहाँ भी जाएगा वहाँ झंडा फहराता रहेगा। अंत में दीपक सदा के लिए आँखें बंद कर लेता है। जाते-जाते वह अपने पिता को भी देशप्रेम का पाठ पढ़ा जाता है। वास्तव में, दीपक जैसे व्यक्तित्व मरकर भी अमर रहते हैं। बुझने के बाद भी आज़ादी की ज्योति हमेशा झिलमिलाती रहती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  तिरंगे झंडे की कहानी के विषय में जानकारी बच्चों के साथ साझा करें। इसके लिए खोजबीन का काम बच्चों की मदद से भी किया जा सकता है। उसके बाद उस देशकाल के वातावरण के संबंध में बताते हुए एकांकी का वाचन करवाएँ। शब्दार्थ व अर्थ-ग्रहण की प्रक्रिया साथ-साथ पूरी करें। अच्छा वाचिक अभिनय करने वाले बच्चों की प्रशंसा की जाए। कुछ मौखिक-लिखित प्रश्नोत्तर बच्चों की भागीदारी के साथ संपन्न करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चों से संयुक्त व पूर्वकालिक क्रियाओं के उदाहरण पूछें व उनका वाक्य-प्रयोग करवाएँ।
  - युग्म-शब्द के बारे में बताते हुए 'पुनरुक्त' अर्थात् 'पुनः उक्त/बोला गया' शब्द के बारे में जानकारी दें।
  - वाक्य बनाने में सामान्य नियमों के बारे में भी समझाते जाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - 'तिरंगे की कहानी'–इस तरह की जानकारी देने वाले पाठ, परिच्छेद या लेख कक्षा में पढ़े जाएँ।
  - मित्र को देशप्रेम का महत्व बताने वाले पत्र का प्रारूप और उसकी सामग्री के विषय में कक्षा में श्यामपट्ट पर कुछ बातें लिखकर बताएँ।